



PTEC

Monthly NEWS LETTER

Volume 3

January, 2026

Issue 1

नववर्ष 2026 : नई उम्मीदों, नए संकल्पों और नए उजास का स्वागत

प्रिय पाठकों,

समय निरंतर प्रवाहित होता रहता है और इसी प्रवाह में एक और वर्ष हमारे जीवन का हिस्सा बनकर स्मृतियों में दर्ज हो गया। बीते वर्ष 2025 ने हमें अनेक अनुभव दिए—कुछ सुखद, कुछ चुनौतीपूर्ण, तो कुछ ऐसे जिनसे हमने बहुत कुछ सीखा। अब नववर्ष 2026 हमारे द्वार पर नई आशाओं, नए सपनों और नए अवसरों के साथ दस्तक दे रहा है। इस शुभ अवसर पर हमारे न्यूजलेटर की ओर से आप सभी पाठकों को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएँ।

नया वर्ष केवल कैलेंडर की तिथि बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन, आत्ममूल्यांकन और नवसंकल्प का अवसर भी होता है। यह समय हमें यह सोचने का मौका देता है कि हमने बीते वर्ष क्या पाया, क्या खोया और आगे किस दिशा में बढ़ना है। नववर्ष 2026 हमें यह प्रेरणा देता है कि हम पुरानी असफलताओं से सीख लेकर, नए उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

हम कामना करते हैं कि यह नया वर्ष आपके जीवन में **स्वास्थ्य, शांति, समृद्धि और संतोष** लेकर आए। आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में निरंतर प्रगति हो, आपके प्रयासों को सफलता मिले और आपके सपने साकार हों। परिवार में प्रेम, समाज में सौहार्द और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक वातावरण बना रहे—यही नववर्ष की सच्ची उपलब्धि होगी।

आज के समय में जब जीवन की गति तेज है और चुनौतियाँ निरंतर बढ़ रही हैं, ऐसे में नववर्ष हमें रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि हम किस प्रकार अपने जीवन को अधिक सार्थक और संतुलित बना सकते हैं। 2026 में हम केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी सकारात्मक योगदान देने का संकल्प लें। ईमानदारी, परिश्रम, करुणा और सहयोग जैसे मूल्यों को अपनाकर ही हम एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

हमारे न्यूजलेटर का उद्देश्य केवल सूचनाएँ देना नहीं, बल्कि विचारों का आदान-प्रदान करना, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और सकारात्मक सोच को आगे बढ़ाना भी है। इस यात्रा में आपका सहयोग, आपका विश्वास और आपका निरंतर जुड़ाव हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। आपके सुझाव, आपकी प्रतिक्रियाएँ और आपका स्नेह हमें हर अंक को और बेहतर बनाने की ऊर्जा देते हैं।

नववर्ष 2026 के आगमन पर हम यह आशा करते हैं कि आने वाला समय नई संभावनाओं से भरा होगा। शिक्षा, संस्कृति, खेल, साहित्य और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नई उपलब्धियाँ हमारे समाज को नई दिशा देंगी। हम सब मिलकर यदि छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयास करें, तो बड़े और स्थायी परिवर्तन संभव हैं।

अंत में, हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि यह नववर्ष आपके जीवन में **उजाला, उल्लास और उन्नति** लेकर आए। आपके घर-आँगन में खुशियों की रौनक बनी रहे, आपके मन में आत्मविश्वास और आपके कार्यों में सफलता हो। बीते कल की सीख और आने वाले कल की उम्मीद के साथ, आइए हम नववर्ष 2026 का स्वागत खुले मन और सकारात्मक सोच के साथ करें।

नववर्ष 2026 की आप सभी पाठकों तथा आपके परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। नया साल आपके लिए सुख, शांति और सफलता से परिपूर्ण हो—यही हमारी मंगलकामना है।

संपादक मंडल

WELCOME



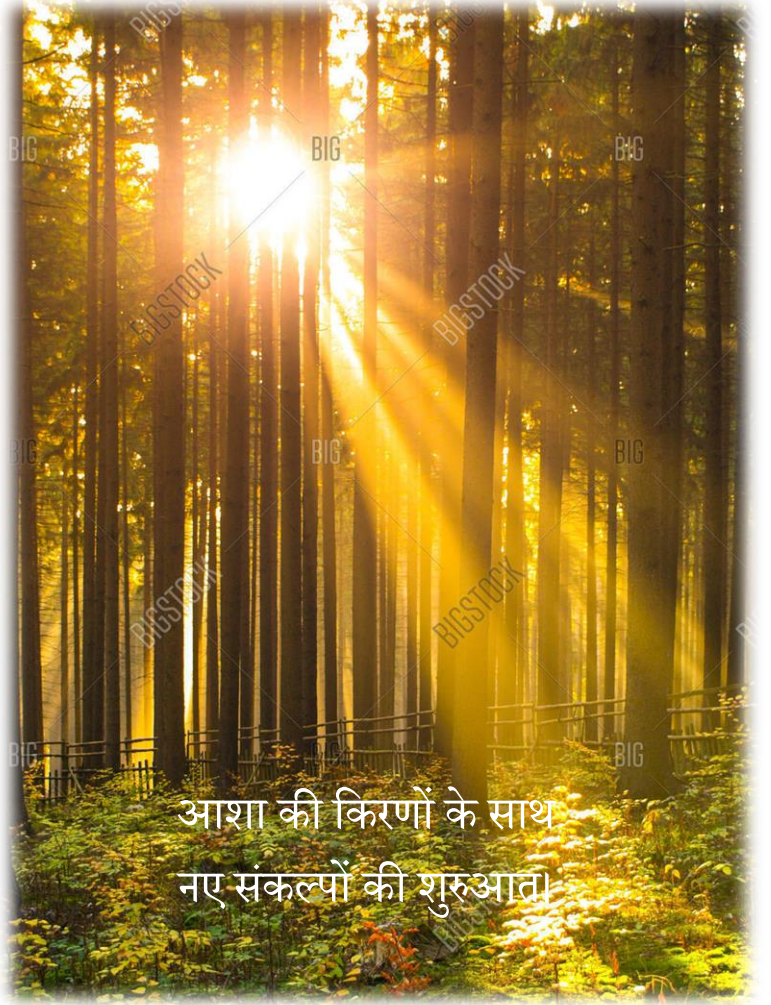
नया साल का अनुभव

नया साल पूरी दुनिया में मस्ती और उल्लास के साथ मनाया जाता है। नए साल के आने से ऐसा लगता है जैसे हमें जीवन को फिर से जीने का एक नया अवसर मिला हो। यह हमें अपनी ज़िंदगी को नई दिशा देने और एक नई शुरुआत करने की प्रेरणा देता है।

नया साल एक ऐसा अवसर होता है जब हम बीते हुए साल को विदा करते हैं और नए साल का खुले दिल से स्वागत करते हैं। यह वह समय होता है जब हम अपने पुराने अनुभवों से सीख लेकर अपने लक्ष्यों और सपनों को फिर से परिभाषित करते हैं। साथ ही, नए उत्साह और नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लेते हैं।

नए साल का अनुभव हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होता है। कुछ लोग इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर हर्षोल्लास से मनाते हैं, जबकि कुछ लोग शांति से, अकेले या अपने पसंदीदा स्थान पर नए साल का स्वागत करना पसंद करते हैं। चाहे जैसे भी मनाया जाए, नया साल सभी के जीवन में नई आशा, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास लेकर आता है।

बिनिता एक्का
द्वितीय वर्ष 'अ'



आशा की किरणों के साथ
नए संकल्पों की शुरुआत।

Happy New Year!

नव वर्ष का पहला दिन

नव वर्ष का पहला दिन मेरे लिए बहुत ही सुहावना था। यह दिन खुशी और उमंग से भरा हुआ था। चारों ओर कोहरा छाया हुआ था और एक नई सुबह नए साल की नई उम्मीदों के साथ आरंभ हुई। मन में जीवन में बदलाव लाने के अनेक संकल्प उभर आए, क्योंकि नया साल हमें कुछ नया और अच्छा करने की प्रेरणा देता है।

यह आवश्यक नहीं है कि नया साल केवल दोस्तों के साथ ही मनाया जाए। इसलिए मैंने इस बार नव वर्ष अपने परिवार के साथ बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। हम सभी ने मिलकर पूरी और चटनी का स्वाद लिया और खूब आनंद व मस्ती की। परिवार के साथ बिताया गया यह समय मेरे लिए बहुत ही यादगार रहा।

मेरी यही इच्छा है कि इस वर्ष की तरह आने वाले प्रत्येक नव वर्ष को मैं अपने परिवार के साथ ही प्रेम, खुशी और एकता के साथ मनाऊँ।

छाया रानी धान
द्वितीय वर्ष 'बी'

नववर्ष

पुराने वर्ष 2025 को अलविदा कहने और उससे जुड़े कड़वे-मीठे अनुभवों को याद करने का समय आ गया है। इसी के साथ हमारे जीवन में नववर्ष 2026 का स्वागत हो चुका है। यह नया वर्ष अपने साथ नई उम्मीदें, जोश, उमंग और खुशियों का संदेश लेकर आया है।

नया साल 2026 मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण वर्ष है। इस नए वर्ष से मेरी कई उम्मीदें जुड़ी हुई हैं, क्योंकि इस वर्ष मुझे अपने कई लक्ष्यों को पूरा करना है। इस वर्ष मुझे अपना प्रशिक्षण कार्य सफलतापूर्वक पूरा करना है तथा परीक्षाओं की अच्छी तैयारी करके अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होना है।

साथ ही, इस वर्ष प्रशिक्षण के पश्चात किसी अच्छे विद्यालय में नौकरी प्राप्त करना भी मेरा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, ताकि मैं अपने शिक्षक बनने के सपने को साकार कर सकूँ। एक अच्छा शिक्षक बनकर मैं न केवल अपने जीवन को सफल बनाना चाहता/चाहती हूँ, बल्कि समाज के विकास में भी अपना योगदान देना चाहता/चाहती हूँ।

नववर्ष 2026 मेरे लिए नई शुरुआत, नए संकल्प और उज्ज्वल भविष्य की आशा लेकर आया है।

अनुजा नेहा पन्ना
द्वितीय वर्ष 'ब'

नए वर्ष का मेरा अनुभव

New Year – My Experience

The New Year 2026 was a mix of sweet and bitter experiences. As I said goodbye to the past year and welcomed the new one, I felt thankful and truly blessed. The arrival of the New Year gave me fresh energy and motivated me to make a positive beginning.

I felt joyful and grateful to welcome 2026 with new hopes and dreams. It was a time to celebrate with family and friends, filled with happiness, music, and togetherness. This New Year brought new excitement and reminded me to appreciate every moment of life.

Overall, this year has given me a new beginning, new hope, and a sense of renewal in my life. I look forward to growing, learning, and becoming a better version of myself in the days ahead.

Ishpriya Minj
Second year 'A'

कहा जाता है— *जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हम बनते हैं*। इसलिए नए वर्ष में मैंने यह संकल्प लिया है कि मैं अपने कॉफर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर अपनी असली मंज़िल की ओर आगे बढ़ूँगी। निरंतर प्रयास करूँगी, समझदारी से निर्णय लूँगी और नकारात्मक विचारों से स्वयं को दूर रखूँगी।

यह नया साल मेरे लिए केवल एक और वर्ष नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट इरादों, कड़ी मेहनत और स्वयं पर अटूट विश्वास का वर्ष है। इन्हीं उम्मीदों और उमंग के साथ मैंने इस नए वर्ष में अपने जीवन को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया है।

1 जनवरी 2026 को मैंने अपने भीतर एक अलग ही ऊर्जा और सकारात्मक भावना का अनुभव किया। मेरे मन में यह दृढ़ निश्चय उत्पन्न हुआ कि आज से मैं अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर आगे बढ़ती रहूँगी। मैं अपनी कमजोरियों को पीछे छोड़कर पूरे वर्ष नए उत्साह के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत करूँगी।

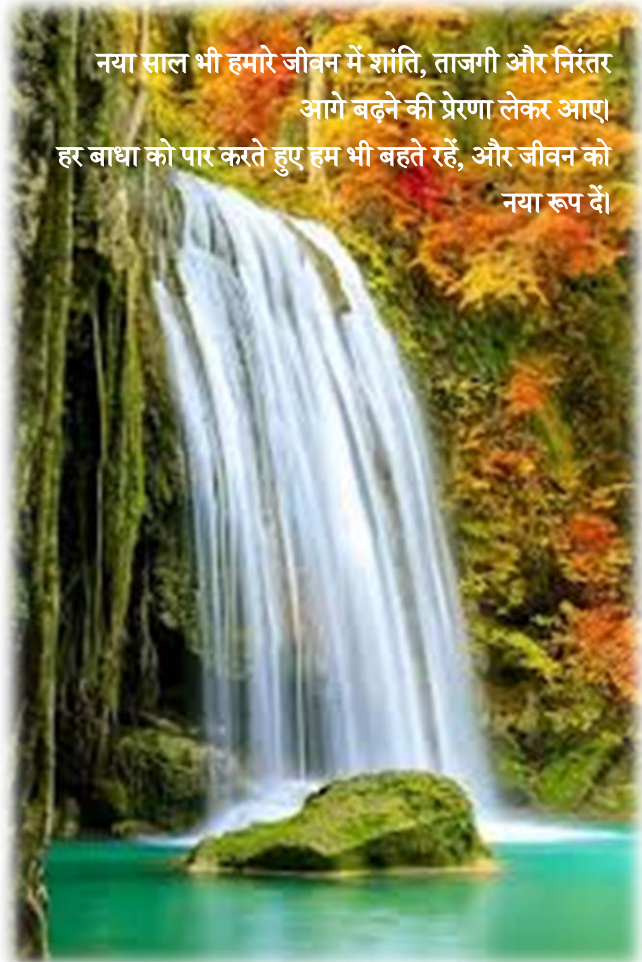
मेरा मानना है कि सफलता केवल साल या तारीख बदलने से नहीं मिलती, बल्कि अच्छी आदतें अपनाने, आत्मअनुशासन बनाए रखने और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने से ही प्राप्त होती है।

अस्मिता लकड़ा
द्वितीय वर्ष 'अ'

Happy New Year!

नववर्ष

नया साल भी हमारे जीवन में शांति, ताजगी और निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा लेकर आए। हर बाधा को पार करते हुए हम भी बहते रहें, और जीवन को नया रूप दें।



वर्ष 2026 की शुरुआत मेरे लिए एक तरह से अच्छी भी रही और थोड़ी बुरी भी। जब मैं हॉस्टल में थी, तब मैंने नए साल को लेकर कई सपने देखे थे। मैं सोचती थी कि घर जाकर नए साल में खूब मस्ती करूँगी, दोस्तों से मिलूँगी और सभी के साथ मिलकर पिकनिक पर जाऊँगी। लेकिन वैसा कुछ भी नहीं हो पाया।

जिस दिन मैं घर पहुँची, उसी दिन से मेरी तबीयत खराब रहने लगी। बीमारी के कारण मुझे पूरा दिन घर के अंदर ही रहना पड़ा। नए साल का पहला दिन यूँ ही बीत गया और कहीं बाहर जाने का अवसर नहीं मिला। इस वजह से मेरा मन थोड़ा उदास हो गया और दिन कुछ अच्छा नहीं लगा।

फिर भी मैंने इस बात को ज्यादा अपने मन पर हावी नहीं होने दिया। मैंने खुश रहने की कोशिश की और अपने मन को समझाया कि अगर नए साल का पहला दिन अच्छा नहीं गया, तो क्या हुआ—बाकी दिनों को अच्छा बनाने का प्रयास करूँगी। मैंने स्वयं से यह संकल्प लिया कि मैं इस नए साल में नई सोच, नई उम्मीद और सकारात्मक भावना के साथ आगे बढ़ूँगी और हर दिन को बेहतर बनाने की कोशिश करूँगी।

असमीता सांडिल
द्वितीय वर्ष 'बी'

नया साल का अनुभव

नया साल हर व्यक्ति के लिए उम्मीदों, खुशियों और नए एहसासों से भरा होता है। यह समय आत्म-चिंतन का होता है, जब लोग बीते वर्ष से सीख लेकर भविष्य की योजनाएँ बनाते हैं और परिवार व दोस्तों के साथ मिलकर इस नए अवसर का उत्सव मनाते हैं। नए साल का स्वागत पार्टी, प्रार्थना और अच्छे संकल्पों के साथ किया जाता है, जो जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक होता है।

नए साल के साथ लोगों के मन में बेहतर जीवन, सफलता और खुशियाँ पाने की आशाएँ जागती हैं। इसके लिए वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, नई आदतें अपनाने और पुराने दोषों को छोड़ने का संकल्प लेते हैं। यह समय अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करने और उन्हें पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाने का होता है। इन दिनों में परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देना और साथ मिलकर खेल-कूद व अन्य गतिविधियों में भाग लेना बहुत ही सुखद अनुभव होता है। आपसी प्रेम, सहयोग और अपनापन नए साल की खुशियों को और बढ़ा देता है।

नया साल हमें आत्म-चिंतन का अवसर देता है—पिछले अनुभवों से सीखने, अपनी गलतियों को सुधारने और एक बेहतर इंसान बनने का। यह हमें जीवन को पूरी तरह जीने और स्वयं को निरंतर बेहतर बनाने की प्रेरणा देता है। सच ही कहा जाए तो नया साल जीवन की एक नई किताब के पन्ने पलटने जैसा है, जिसमें हम पुरानी गलतियों से सीख लेकर नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हैं।

आशिष वा:

पुराने वर्ष के अनुभव के साथ नए वर्ष का संकल्प

पुराना वर्ष बीती यादों के रूप में हमारे जीवन में सिमट जाता है और नया वर्ष नई आशाओं, नए सपनों तथा नए उजालों के साथ हमारे सामने आता है। बीते वर्ष में जो अधूरा रह गया था, उसे पूरा करने का संकल्प ही नए वर्ष की सच्ची शुरुआत होती है।

बीता हुआ वर्ष मेरे जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण अनुभवों से भरा रहा। इस दौरान मुझे कई अच्छी और बुरी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। सफलताओं ने मेरे भीतर आत्मविश्वास को बढ़ाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, वहीं असफलताओं ने मुझे धैर्य, मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने की सीख दी। मैंने यह समझा कि पुरानी गलतियों से सीख लेकर ही हम स्वयं को बेहतर बना सकते हैं। इन्हीं अनुभवों और सीखों के साथ नए वर्ष में प्रवेश करते हुए मैंने अपने लिए कुछ संकल्प निर्धारित किए हैं। मैंने यह निश्चय किया है कि मैं अपने व्यवहार, पढ़ाई और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाऊँगी। समय का सही उपयोग करूँगी, नियमित परिश्रम करूँगी और अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखूँगी। इसके साथ ही मैं दूसरों के प्रति आदर, सहयोग, सम्मान और प्रेम की भावना बनाए रखने का प्रयास करूँगी।

मुझे विश्वास है कि इन संकल्पों का पालन करके मैं नए वर्ष को सार्थक और सफल बना सकूँगी।

अंकिता टेटे
प्रथम वर्ष 'ब'



नए साल का अनुभव

ठंडी-ठंडी हवा और कुहासे से ढकी धरती के साथ नए साल की ठंडक भरी शुरुआत हुई। 31 दिसंबर 2025 की रात सोने के बाद जब मैं 1 जनवरी 2026 की सुबह उठी, तो सबसे पहले गिरजाघर जाकर पिता ईश्वर को वर्ष 2025 में प्राप्त सभी कृपाओं और आशीषों के लिए धन्यवाद दी तथा नए वर्ष 2026 को उनके चरणों में समर्पित किया।

कई लोगों ने कहा था कि वर्ष 2026 में दुनिया समाप्त हो जाएगी, परंतु पिता ईश्वर के प्रेम, दया और अनुकंपा से हम सभी आज भी सुरक्षित और जीवित हैं। यह अनुभव मेरे लिए आस्था और विश्वास को और मजबूत करने वाला रहा।

इसके बाद मैं अपने दोस्तों के साथ जंगलों को पार करते हुए पानी से लबालब भरे एक डैम के किनारे पिकनिक मनाने गयी। सच ही कहा गया है—

“अकेला थक जाता है, पर साथी हाथ बढ़ाएँ तो मिलकर आगे बढ़ा जा सकता है।”

हम सभी मित्रों ने मिलकर भात, दाल, चिकन, मटर-आलू की सब्जी और सलाद बनाया और बड़े चाव से भोजन किया। भोजन के बाद डी.जे. गानों पर हमने खूब नृत्य किया, हँसी-मजाक किया और आनंद के पल बिताए।

इस प्रकार शहर की भीड़-भाड़ से दूर, प्रकृति की गोद में बसे एक हरे-भरे और शांत स्थान पर मैंने नए साल का सुंदर और यादगार अनुभव प्राप्त किया।

असियन एक्का
प्रथम वर्ष 'अ'

नया साल का अनुभव

नया साल जीवन में एक नई सुबह की तरह होता है, जो अपने साथ नई रोशनी, नई उम्मीदें और नए अवसर लेकर आता है। बीते वर्ष की यादें हमारे मन में रहती हैं—कुछ सुखद होती हैं, तो कुछ कठिन; परंतु सभी अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाने वाले होते हैं। नया साल इन्हीं अनुभवों के आधार पर अपने जीवन को और बेहतर बनाने का अवसर देता है।

नए साल का पहला दिन विशेष उत्साह से भरा होता है। हम सुबह जल्दी उठते हैं, ईश्वर के पास जाकर उन्हें धन्यवाद देते हैं और उनके आशीर्वाद की कामना करते हैं। इसके बाद परिवार और मित्रों के साथ मिलकर नए साल की खुशी मनाते हैं। कहीं पिकनिक मनाई जाती है, तो कहीं घर या गाँव में ही सादगी और प्रेम के साथ यह दिन मनाया जाता है।

नया साल हमें आत्म-चिंतन का अवसर भी देता है। हम यह सोचते हैं कि बीते वर्ष में हमने क्या अच्छा किया और कहाँ हमसे गलतियाँ हुईं। अपनी गलतियों के लिए हम ईश्वर से क्षमा माँगते हैं तथा परिवार और मित्रों से प्रेरणा लेकर नए संकल्प लेते हैं, जैसे—समय का सही उपयोग करना, ईमानदारी से परिश्रम करना, बड़ों का आदर करना और समाज के लिए कुछ अच्छा करना। ये सभी संकल्प हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

मेरे लिए नया साल केवल कैलेंडर बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का प्रतीक है। यह मुझे अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक सजग बनाता है और कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति देता है। नए साल का यह अनुभव जीवन को सकारात्मक सोच और आशा से भर देता है।

अंततः नया साल मुझे यह सिखाता है कि हर अंत के बाद एक नई शुरुआत होती है। नए साल में मेरा लक्ष्य स्वयं को बेहतर बनाना है। इसके लिए मैं नियमित पढ़ाई करूँगा, समय का सही उपयोग करूँगा और सकारात्मक सोच के साथ मेहनत करते हुए अपने लक्ष्यों को पूरा करने का प्रयास करूँगा।

अंकित कुल्लू
प्रथम वर्ष 'अ'

नए वर्ष का अनुभव

नए वर्ष की शुरुआत बहुत ही अच्छी रही। सर्वप्रथम मैंने ईश्वर को धन्यवाद दिया कि उन्होंने मुझे पिछले वर्ष भर सुरक्षित और स्वस्थ रखा तथा नए वर्ष में प्रवेश करने का अवसर प्रदान किया। इस शुभ शुरुआत के साथ मैंने ईश्वर से प्रार्थना की कि आने वाला वर्ष मेरे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लेकर आए।

इस अनुभव से मैंने यह सीखा कि ईश्वर हमें जीवन में परिवर्तन और आगे बढ़ने के लिए समय-समय पर अवसर प्रदान करते हैं। जीवन में परिस्थितियाँ हमेशा एक-सी नहीं रहतीं, वे निरंतर बदलती रहती हैं। इसलिए हमें वर्तमान परिस्थिति को स्वीकार करते हुए आने वाली चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करना चाहिए और उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अर्पण टोप्पो
प्रथम वर्ष 'अ'

New Year Celebration Experience

The days leading up to the New Year were filled with preparation and excitement. Everyone in our house was busy cleaning, decorating, and preparing delicious snacks, cookies, and other food items. All these activities created a calm, peaceful, and joyful atmosphere to welcome and celebrate the New Year.

As the special day arrived, our relatives and cousins were invited so that we could celebrate together. I felt very happy because I met my cousins after a long time. We greeted one another warmly and spent time sharing stories, singing songs, laughing, and enjoying each other's company. As midnight approached, excitement grew. We stayed awake to welcome the New Year and bid farewell to the old one.

At midnight, we went to the church to seek God's blessings. A special Mass was conducted, and as the New Year began, we welcomed it with a countdown and exchanged New Year wishes with everyone.

On New Year's Day, our family planned a picnic together. In the morning, we prepared breakfast, and everyone helped with the picnic arrangements. After everything was ready, we went to a beautiful riverside spot. There, we spent a wonderful time with our family—dancing, joking, laughing, and enjoying the peaceful surroundings.

At the end of the celebration, we made a resolution to be more hopeful and hardworking in the New Year and to work sincerely toward our goals. We wished each other good luck for the coming year. After the holidays came to an end, I packed my bag and returned to the hostel with positive thoughts, motivation, and renewed energy.

Avinash Toppo
First year 'B'



New Year Experience

The days leading up to New Year's Eve were filled with cleaning, decorating the house with colourful lights, and preparing delicious snacks. All these activities created a cheerful and festive atmosphere for the celebration.

I went to my nani's house to celebrate the New Year, and I was very happy because all my cousins met after a long gap of one year. On New Year's Eve, we enjoyed ourselves by playing games, listening to music, dancing, and sharing stories. These moments created a warm and joyful environment. As midnight approached, excitement filled the air. We stayed awake to welcome the New Year while also bidding goodbye to the previous year. At midnight, we welcomed the New Year with a loud countdown, fireworks, and cheerful wishes of "Happy New Year." We hugged our loved ones and shared our happiness with one another.

After the initial excitement, I took a quiet moment to reflect on the past year—its lessons, challenges, and achievements. I also looked forward with hope and set new goals for personal growth, accompanied by prayers.

The next morning, our entire family attended the New Year Mass. After the Mass, we greeted each other with beautiful smiles in the church compound. When we returned home, we enjoyed a delicious brunch together in our garden. In the evening, we spent time gardening, singing, and dancing, which added lasting joy to the celebration.

Overall, the New Year celebration left me with a deep sense of gratitude, hope, and renewed optimism for the future. It truly became a memorable and meaningful New Year experience.

Archana Minj
First year 'A'



नए साल का अनुभव

साल 2025 मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा। डी.एल.एड. (D.El.Ed.) में प्रवेश लेने के बाद मैंने न केवल पुस्तकों से ज्ञान प्राप्त किया, बल्कि वास्तविक जीवन में एक शिक्षक बनने की तैयारी भी प्रारंभ की। शिक्षण अभ्यास के दौरान जब मैंने पहली बार कक्षा में बच्चों को पढ़ाया, तब मुझे यह गहराई से समझ में आया कि शिक्षक का कार्य केवल पढ़ाना ही नहीं होता, बल्कि बच्चों को समझना, उनका मार्गदर्शन करना और उनमें आत्मविश्वास जगाना भी होता है।

हर दिन मुझे कुछ नया सीखने को मिला—कभी धैर्य रखना, कभी अनुशासन बनाए रखना और कभी प्रेम एवं संवेदनशीलता के साथ सिखाने की कला। स्वतंत्रता दिवस, शिक्षक दिवस, वार्षिक खेलकूद तथा अन्य महाविद्यालयीन कार्यक्रमों में भाग लेने से नेतृत्व, टीमवर्क और जिम्मेदारी के महत्व को समझने का अवसर मिला।

दिसंबर माह में आयोजित प्रथम सेमेस्टर परीक्षा ने मेरी मेहनत और आत्मविश्वास को और अधिक मजबूत किया। वर्ष भर के अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया कि **Teaching is Learning**—अर्थात् पढ़ाना भी सीखने की एक सतत प्रक्रिया है।

अब 2026 में मेरा संकल्प है कि मैं एक ऐसा शिक्षक बनूँ जो केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों को जीवन के मूल्यों से भी परिचित कराए। मेरा लक्ष्य है कि मैं आधुनिक शिक्षण तकनीकों को अपनाकर बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत करूँ और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग एवं उज्ज्वल पहचान स्थापित करूँ।

आर्यन तिग्गा
प्रथम वर्ष 'ब'

नए साल का अनुभव

मेरे जीवन में इस नए साल का अनुभव पिछले वर्षों की अपेक्षा कुछ अलग और विशेष रहा। पिछले वर्ष मैंने नया साल माता-पिता के साथ नहीं, बल्कि दोस्तों के साथ मनाया। यह अनुभव मेरे लिए नया और यादगार रहा। दोस्तों के साथ मिलकर नया साल मनाने का आनंद ही कुछ और था।

नए साल के अवसर पर हम पिकनिक के लिए केरल की सुंदर पहाड़ियों और वादियों में घूमने गए। वहाँ का मनमोहक वातावरण, हरियाली और ठंडी हवाएँ मन को बहुत सुकून देने वाली थीं। ठंड इतनी सुखद थी कि ऐसा महसूस हो रहा था मानो हम मनाली या शिमला जैसे किसी ठंडे प्रदेश में आ गए हों। प्रकृति की सुंदरता ने इस नए साल को और भी खास बना दिया।

इस नए साल में मैं अपने जीवन से यह संकल्प लेती हूँ कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अपने जीवन में कुछ अच्छा और सार्थक करूँगी, ताकि अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकूँ और अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकूँ।

बसंती टुडू
प्रथम वर्ष 'अ'



13 जनवरी को महाविद्यालय में प्राचार्य फादर पी. जे. जेम्स एस.जे. का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षुओं ने एकत्र होकर जन्मदिन गीत गाया और प्राचार्य महोदय को शुभकामनाएँ दीं। पूरे वातावरण में आनंद और उत्साह का भाव देखने को मिला।

चायावकाश के समय महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने भी फादर पी. जे. जेम्स एस.जे. को जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर केक काटा गया और सभी ने उन्हें स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

यह जन्मदिन प्राचार्य महोदय के लिए विशेष महत्व का रहा, क्योंकि इसी वर्ष उनका **यीशु समाज में 50 वर्षों के समर्पित सेवा-कार्य का स्वर्ण जयंती वर्ष (जुबिली वर्ष)** भी मनाया जा रहा है। उनके त्याग, सेवा और मार्गदर्शन से महाविद्यालय परिवार सदैव प्रेरणा प्राप्त करता है।



वनभोज का अनुभव

दिनांक 14/01/2026 को हमारे महाविद्यालय द्वारा वार्षिक वनभोज (पिकनिक) का आयोजन किया गया। पिकनिक की सूचना मिलते ही हम सभी के चेहरों पर मुस्कान आ गई, क्योंकि हम सभी इस दिन का बहुत दिनों से इंतजार कर रहे थे। इस बार का अनुभव मेरे लिए अत्यंत अच्छा और यादगार रहा।

महाविद्यालय द्वारा पिकनिक के लिए एक सुंदर और शांत स्थान का चयन किया गया था, जो चारों ओर से पेड़-पौधों और हरियाली से घिरा हुआ था। वहाँ का वातावरण बहुत ही मनमोहक था। सुबह लगभग 8:30 बजे हम सभी छात्र हॉस्टल से हँसी-मजाक करते हुए पैदल ही पिकनिक स्थल के लिए निकले।

पिकनिक स्थल पर पहुँचते ही हम सभी दो समूहों में बँट गए और मनोरंजन के लिए खेल-कूद शुरू कर दिया। कुछ समय बाद सभी आवश्यक सामान वहाँ पहुँच गया। इसके पश्चात हम सभी अपने-अपने समूहों में बाँटकर निर्धारित कार्यों को मिल-जुलकर करने लगे। सभी ने ईमानदारी और उत्साह के साथ अपने कार्य पूरे किए, जिससे भोजन की तैयारी शीघ्र ही हो गई।

मनोरंजन के लिए व्याख्यातागण द्वारा एक खेल का आयोजन किया गया, जिसमें हम सभी ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस खेल में किसी ने हार स्वीकार की तो किसी ने जीत हासिल की, लेकिन सभी ने भरपूर आनंद लिया।

खेल समाप्त होने के बाद स्वादिष्ट भोजन तैयार हुआ और सभी को परोसा गया। हम सभी ने प्रसन्न मन से भोजन का आनंद लिया। इस प्रकार नाच-गान, खेल-कूद और स्वादिष्ट भोजन के साथ यह वनभोज कार्यक्रम अत्यंत सफल और यादगार रहा।

यह अनुभव मेरे लिए विशेष था, क्योंकि हम सभी ने अपनी खुशियाँ नृत्य और हँसी-मजाक के माध्यम से व्यक्त कीं, एक नए स्थान पर गए और महाविद्यालय परिसर से बाहर समय बिताया। इस वनभोज से मैंने बहुत कुछ सीखा और यह दिन मेरे जीवन की सुंदर स्मृतियों में हमेशा रहेगा। अंत में हम सभी सुरक्षित अपने-अपने हॉस्टल पहुँच गए।

मिलन तिकी
द्वितीय वर्ष 'ब'

वनभोज का अनुभव

वनभोज का वातावरण सभी के मन को मोह लेने वाला होता है। PTEC महाविद्यालय द्वारा आयोजित वनभोज हम सभी के लिए आनंद और उत्साह से भरपूर रहा। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय परिवार द्वारा वनभोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रशिक्षार्थी एवं व्याख्यातागण शामिल हुए।

वनभोज की तैयारी सभी ने मिल-जुलकर की। छात्राएँ पानी की बाल्टियाँ सिर पर उठाकर लाई, तो कुछ ने अन्य आवश्यक सामान एक-दूसरे से साझा किया। रास्ते में थोड़ी असुविधाएँ अवश्य थीं, लेकिन वनभोज का उत्साह इतना अधिक था कि किसी ने भी हार नहीं मानी। सभी के चेहरे पर उमंग और जोश देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।

महाविद्यालय परिसर से बाहर निकलते ही वातावरण कुछ अलग और विशेष लग रहा था। सड़क पर चलते हुए प्रकृति के सुंदर दृश्य मन को बहुत भा रहे थे। जंगल की ओर बढ़ते हुए हम सभी प्रशिक्षणार्थी हॉस्टल के निकट पहुँचे। वहाँ कुछ समय तक पानी और सामान के न पहुँचने के कारण प्रतीक्षा करनी पड़ी, परंतु उस समय हमने गाना गाकर आनंद लिया।

थोड़ी देर बाद ट्रैक्टर की आवाज सुनाई दी। सभी ने उत्सुकता से सड़क की ओर देखा। ट्रैक्टर में बॉक्स, लकड़ियाँ एवं अन्य आवश्यक सामान देखकर सभी खुशी से भर उठे। सभी ने मिलकर सामान उतारने में हाथ बँटाया, जिससे काम आसान हो गया। इस सामूहिक प्रयास में मुझे बहुत आनंद आया।

वनभोज के दौरान कुछ लोग नाचने में मग्न थे, तो कुछ खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में आनंद ले रहे थे। इस प्रकार वनभोज में हमने केवल मनोरंजन ही नहीं किया, बल्कि मिल-जुलकर काम करना, एक-दूसरे की सहायता करना और सहयोग की भावना भी सीखी।

अंततः कहा जा सकता है कि सत्र 2026 का यह वनभोज मेरे लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार अनुभव रहा।

नीलिमा किड़ो
द्वितीय वर्ष 'ब'



वार्षिक वनभोज का अनुभव

14 जनवरी 2026, बुधवार का दिन हमारे महाविद्यालय के लिए अत्यंत आनंददायक और यादगार रहा। इस दिन हमारे महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षार्थी, व्याख्यातागण एवं प्राचार्य महोदय मिलकर वार्षिक वनभोज (पिकनिक) मनाने कारीटोंगरी गए। हम सभी इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और अंततः वह शुभ दिन आ ही गया।

हम सभी लगभग दोपहर 9 बजे पिकनिक स्थल पर पहुँचे। वहाँ पहुँचते ही सभी लोग अलग-अलग समूहों में एकत्रित हो गए और अपने-अपने कार्यों में लग गए। किसी ने चूल्हा तैयार किया, तो किसी ने सब्जियाँ काटीं। सभी ने मिल-जुलकर कार्य किया और एक-दूसरे का सहयोग किया, जिससे काम शीघ्र और सुचारु रूप से संपन्न हुआ।

मनोरंजन के लिए हौजी गेम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस खेल के माध्यम से सभी का भरपूर मनोरंजन हुआ और वातावरण और भी खुशनुमा हो गया।

भोजन तैयार होने के बाद सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन के पश्चात कुछ लोग बातचीत में लगे रहे, तो कुछ अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर विश्राम करने चले गए। इस प्रकार हँसी-मजाक, खेल-कूद और स्वादिष्ट भोजन के साथ हमारा वार्षिक वनभोज कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

यह वनभोज न केवल मनोरंजन का माध्यम था, बल्कि इसने हमें मिल-जुलकर काम करने और सहयोग की भावना का भी अनुभव कराया। यह दिन मेरे लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।

निशि कान्ता केरकेड़ा
द्वितीय वर्ष 'ब'

2026 का वार्षिक वनभोज

हमारे महाविद्यालय में दिनांक 14/01/2026 को वार्षिक वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षार्थी एवं व्याख्यातागण उपस्थित थे। यह मेरे लिए इस महाविद्यालय में वार्षिक वनभोज का दूसरा अनुभव था, जो अत्यंत आनंदमय और यादगार रहा।

इससे पूर्व मैंने अपने पुराने विद्यालय या महाविद्यालय में कभी इस प्रकार के वार्षिक वनभोज कार्यक्रम में भाग नहीं लिया था। इसलिए यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया और विशेष था। वर्ष 2026 का यह वार्षिक वनभोज पहली बार खुले वन-पर्यावरण में मनाया गया, जो मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। यह स्थान हमारे हॉस्टल के समीप ही था, जिसके कारण मुझे अधिक चलना भी नहीं पड़ा।

इस वार्षिक वनभोज के दौरान हौजी खेल का भी आयोजन किया गया, जिसे मैंने पहली बार खेला। प्रारंभ में मुझे पूरा विश्वास था कि मैं अवश्य जीतूँगी, किंतु खेल के अंतिम चरण तक पहुँचते-पहुँचते मेरा यह भ्रम टूट गया। फिर भी मैंने "कोई बात नहीं" सोचकर पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ इस कार्यक्रम का आनंद लिया।

इस प्रकार हँसी-मजाक, खेल-कूद और आनंदमय वातावरण के साथ हमारा वार्षिक वनभोज कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह दिन मेरे लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।

मेघा कुजूर
द्वितीय वर्ष 'ब'

वनभोज का अनुभव

14 जनवरी 2026 को हमारे महाविद्यालय द्वारा वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वनभोज के लिए हम सभी कारीटोंगरी की ओर गए। इस कार्यक्रम की तैयारी बहुत दिनों से चल रही थी और अंततः वह प्रतीक्षित दिन आ ही गया।

महाविद्यालय परिसर से बाहर जाकर पिकनिक मनाना हम सभी के लिए बहुत अच्छा और आनंददायक अनुभव रहा। पिकनिक स्थल चारों ओर से पेड़-पौधों और हरियाली से घिरा हुआ था। प्रकृति के बीच समय बिताकर मन को बहुत शांति और सुकून मिला। वहाँ पहुँचते ही सबसे पहले हम सभी भोजन बनाने की तैयारी में लग गए। कुछ लोग अंताक्षरी खेल रहे थे और उनके गीत सुनकर मैं भी बहुत खुश हो रही थी।

इस कार्यक्रम के दौरान मुझे कुछ जिम्मेदारियाँ भी दी गई थीं। कार्यक्रम को सुचारु रूप से चलाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करनी पड़ती हैं, इसका अनुभव मेरे लिए बहुत अच्छा और सीख देने वाला रहा। भोजन तैयार होने के बाद हम सभी ने मिलकर स्वादिष्ट भोजन किया।

भोजन के पश्चात एक छोटा फोटो सेशन भी हुआ, जो इन यादगार पलों को हमेशा याद दिलाता रहेगा। इसके बाद सभी ने मिलकर सामूहिक नृत्य किया। नाचने में सभी को बहुत आनंद आया।

अंत में सभी लोग अपने-अपने हॉस्टल लौटने की तैयारी करने लगे। सामान समेटकर मैं भी अपने हॉस्टल की ओर निकल पड़ी। यह वनभोज मेरे लिए एक सुंदर, आनंदमय और अविस्मरणीय अनुभव रहा।

प्रिस्मा टोप्पो
द्वितीय वर्ष (अ)



वनभोज का आनंद

वनभोज हमारे नीरस और यांत्रिक जीवन में ताजगी भरने का एक सुंदर माध्यम है। जब हम अपने दैनिक कार्यों से ऊब जाते हैं, तब ऐसे क्षण हमें नई ऊर्जा और उत्साह प्रदान करते हैं। इसी उद्देश्य से 14 जनवरी 2026 को हमारे PTEC महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं सभी प्रशिक्षु एक साथ वार्षिक वनभोज के लिए निकले।

प्रातःकाल सभी लोग अत्यंत उत्साह के साथ कारीटोंगरी की तराई की ओर रवाना हुए। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य मन को मोह लेने वाला था। चारों ओर फैले घने जंगल, ऊँचे-ऊँचे वृक्ष और शांत वातावरण ने सभी के मन को आनंद और सुकून से भर दिया। यह स्थान अत्यंत मनोरम था, जहाँ पहुँचते ही सभी लोग प्रकृति की गोद में खो गए।

वनभोज के दौरान नाच-गान, खेल-कूद और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी खुशियाँ खुलकर व्यक्त कीं। हौजी खेलते समय सभी की निगाहें अपने-अपने नंबरों और जीत पर टिकी थीं। किसी को पुरस्कार जीतने की आशा थी, तो कोई अपने नंबर के मिलान का इंतजार कर रहा था। यह रोमांच खेल सभी को उत्साहित कर रहा था।

हँसी-मजाक, गीत-संगीत और स्वादिष्ट भोजन के साथ यह दिन यादगार बन गया। इस प्रकार नाचते-गाते, खेलते-खाते हमारा वार्षिक वनभोज कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी के दिलों में सुखद यादें छोड़ गया।

करीना तिकी
द्वितीय वर्ष 'ब'



वार्षिक वनभोज का अनुभव

14 जनवरी, बुधवार को हमारे महाविद्यालय में वार्षिक वनभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए कारीटोंगरी के समीप स्थित एक सुंदर स्थान का चयन किया गया था, जो प्रकृति की गोद में बसा हुआ था।

सुबह लगभग 8:30 बजे हम सभी हॉस्टल से अपने-अपने सामान लेकर पिकनिक स्थल की ओर पैदल निकल पड़े। लगभग 20 मिनट पैदल चलने के बाद हम सभी सुरक्षित और कुशलतापूर्वक वहाँ पहुँच गए। वहाँ पहुँचकर हमने बैठने के लिए स्थान निर्धारित किया और दूरी बिछाकर बैठ गए।

वनभोज

इस वर्ष का वनभोज बहुत ही अच्छा और आनंदमय रहा। दिनांक 14 जनवरी 2026 को हमारे कॉलेज की ओर से वार्षिक वनभोज का आयोजन किया गया। यह पिकनिक कॉलेज परिसर से बाहर आयोजित की गई थी, इसलिए इसका माहौल पूरी तरह से पिकनिक जैसा लग रहा था।

सुबह लगभग 8:30 बजे हम सभी हॉस्टल से निकल पड़े। पिकनिक के लिए आवश्यक सामान लेकर निकलना भी अपने आप में एक अलग अनुभव था। किसी के सिर पर पानी की बाल्टी थी, तो कोई दोनों हाथों में बर्तन पकड़े हुए चल रहा था। सड़क पर चलते हुए ऐसा लग रहा था मानो हम किसी विशेष यात्रा पर निकले हों।

कुछ दूर चलने के बाद हम एक स्थान पर पहुँचे, जहाँ सभी लोग खड़े होकर आगे जाने का इंतजार करने लगे। थोड़ी देर बाद सर लोग ट्रैक्टर से सामान लेकर आए और हम सभी उनके पीछे-पीछे पिकनिक स्थल तक पहुँचे। वहाँ पहुँचने के बाद थोड़ी देर मनोरंजन के लिए खेल खेले गए।

सभी आवश्यक सामान पहुँच जाने के बाद हम अपने-अपने समूहों में बँटकर काम करने लगे। खाना पकाने में समय लग रहा था, इसलिए कुछ लोग भोजन की तैयारी में जुटे थे, जबकि कुछ लोग अपनी खुशी नाच-गान के माध्यम से व्यक्त कर रहे थे। हमारे व्याख्यातागण भी हमें प्रोत्साहित कर रहे थे और आनंद लेने के लिए कह रहे थे।

सभी ने मिलकर नृत्य किया और खूब आनंद लिया। मुझे यह वर्ष का वनभोज पिछले वर्ष की तुलना में अधिक अच्छा लगा। पिकनिक स्थल चारों ओर से पेड़ों से घिरा हुआ था और पिकनिक के लिए बहुत ही उपयुक्त था। इस 2026 के वनभोज में काम करने के साथ-साथ मनोरंजन के लिए खेलों का भी आयोजन किया गया, जो मुझे बहुत अच्छा लगा।

कुल मिलाकर यह वनभोज मेरे लिए एक यादगार और सुखद अनुभव रहा।

निर्मला दिग्गी
द्वितीय वर्ष 'अ'

बैठते ही हमारा मनोरंजन शुरू हो गया, क्योंकि खेल-कूद और खाना बनाने से संबंधित सामग्री अभी पूरी तरह नहीं पहुँची थी। इस दौरान हम सभी ने धूप में बैठकर "विटामिन डी" लेने का आनंद लिया और गीत गाकर समय बिताया। सभी लोग बहुत प्रसन्न थे और किसी को भी किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

इसके पश्चात सभी अपने-अपने निर्धारित कार्यों में लग गए। कुछ समय तक काम करने के बाद हमें मनोरंजन का अवसर भी मिलता रहा। फिर एक रोमांचक खेल का आयोजन किया गया, जो सभी के लिए बहुत मनोरंजक रहा। इसके बाद चने का स्वाद चखाया गया, जिसका सभी ने भरपूर आनंद उठाया।

तत्पश्चात हमें स्वादिष्ट भोजन ग्रहण करने का अवसर मिला। भोजन बहुत ही स्वादिष्ट था और सभी ने आनंदपूर्वक भोजन किया। इसके बाद सामूहिक नृत्य हुआ, जिसमें सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया।

इस प्रकार हमारा दिन अत्यंत आनंदमय और यादगार रहा। यह वार्षिक वनभोज मेरे लिए एक सुंदर और अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

खुशबू खलखो
द्वितीय वर्ष (ब)



वार्षिक वनभोज

हमारे महाविद्यालय द्वारा दिनांक 14 जनवरी 2026 को वार्षिक वनभोज का आयोजन किया गया। वनभोज के लिए स्थान पहले से ही निर्धारित कर लिया गया था। पिकनिक की सभी तैयारियाँ सामूहिक सहयोग से की गईं। सभी कार्यों को समूहों में बाँटा गया था, जिससे प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभा रहा था।

यह मेरे जीवन का पहला महाविद्यालयीन वनभोज था, इसलिए यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत विशेष और यादगार रहा। इस पिकनिक के दौरान हमें प्राकृतिक वातावरण में मनोरंजन करने का सुंदर अवसर मिला। सभी ने अनुशासन में रहते हुए नृत्य किया, खेल खेले और भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर विनय सर के मार्गदर्शन में हौजी खेल का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस खेल ने कार्यक्रम को और अधिक रोचक बना दिया।

साथ मिल-जुलकर पिकनिक मनाने से आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना देखने को मिली। सभी ने अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया—चाहे वह कार्यक्षेत्र में हो या नृत्य एवं मनोरंजन के माध्यम से। यह वनभोज हम सभी के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

नैन्सी मिंज

वनभोज

14 जनवरी—इस दिन का इंतजार हम सभी बेसब्री से कई दिनों से कर रहे थे। देखते ही देखते वह शुभ दिन आ पहुँचा, जो मकर संक्राति का पर्व भी था।

वनभोज को सफल बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग कार्यभार सौंपा गया था। मुझे भोजन बनाने वाले समूह में शामिल किया गया। इस समूह में रहकर कार्य करने का अनुभव मेरे लिए बहुत विशेष और सुखद रहा। मुझे यह एहसास हुआ कि जब लोग मिल-जुलकर और टीम भावना के साथ काम करते हैं, तो किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है।

प्रत्येक सदस्य ने अपने-अपने स्तर पर पूरा योगदान दिया। इस अनुभव से यह सीख मिली कि कार्यों का सही विभाजन और सामूहिक प्रयास सफलता की कुंजी होते हैं। किचन टीम के साथ काम करते हुए खाली समय में हम नृत्य और मनोरंजन भी करते थे, जिससे काम का बोझ महसूस नहीं हुआ। आवश्यकता पड़ने पर हम तुरंत वापस आकर अपने कार्य को पूरा करते थे।

इस प्रकार आपसी सहयोग, अनुशासन और उत्साह के साथ हमारा वनभोज कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अनुभव मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा।

मोनिका लकड़ा
प्रथम वर्ष 'अ'



वनभोज का अनुभव

हमारे महाविद्यालय द्वारा एक दिन का पिकनिक आयोजित किया गया था। उस दिन हम सभी बहुत उत्साहित थे, क्योंकि हम इस पिकनिक का बहुत दिनों से इंतजार कर रहे थे। हम सभी सुबह लगभग 8:30 बजे खुशी और उमंग के साथ अपने गंतव्य के लिए निकल पड़े।

रास्ते में कुछ असुविधाएँ भी थीं, जैसे पानी की थोड़ी समस्या। इसी कारण कुछ लड़कियाँ अपने सिर पर पानी लेकर चल रही थीं। इसके बावजूद सभी का उत्साह कम नहीं हुआ। गंतव्य पर पहुँचने के बाद हम सभी ने मिल-जुलकर मनोरंजन किया और अपने-अपने कार्यों में सहयोग दिया।

वहाँ हमने विभिन्न खेल खेले, जिनमें कुछ में जीत मिली और कुछ में हार भी हुई, लेकिन सभी अनुभव बहुत आनंददायक रहे। नए मित्र बने और साथ मिलकर समय बिताने से बहुत अच्छा लगा। इसके बाद हमें स्वादिष्ट नाश्ता और भोजन कराया गया, जिसे सभी ने बड़े आनंद से खाया।

खाने के बाद चाय की भी व्यवस्था की गई। इसके पश्चात सभी सामान को व्यवस्थित किया गया और हम सभी सुरक्षित रूप से हॉस्टल लौट आए। इस प्रकार हमारा पिकनिक सफल और यादगार रहा।

मरियम होरो



पिकनिक का अनुभव



दिनांक 14 जनवरी 2026 को हमारे महाविद्यालय द्वारा वनभोज (पिकनिक) का आयोजन किया गया। यह मेरे लिए इस महाविद्यालय का पहला पिकनिक अनुभव था। उस दिन मैं सुबह जल्दी उठी और प्रतिदिन की तरह सबसे पहले दैनिक मिस्सा में शामिल हुई। इसके बाद लौटकर नाश्ता किया और नेताओं के निर्देशानुसार आवश्यक सामान तैयार किया।

सुबह लगभग 8:30 बजे हम सभी छात्रावास से खुशी और उत्साह के साथ पिकनिक स्थल के लिए निकल पड़े। पिकनिक का स्थान कारी टोंगरी था, जो हमारे छात्रावास से थोड़ी ही दूरी पर स्थित है। हम सभी वहाँ बहुत जल्दी पहुँच गए।

वहाँ पहुँचकर मैंने देखा कि वह स्थान प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा हुआ है। वातावरण बहुत ही शांत और मनमोहक था। पानी की व्यवस्था थोड़ी दूरी पर थी, फिर भी उचित प्रबंध किया गया था। मौसम भी बहुत सुहावना था, जिससे सभी का मन प्रसन्न हो गया। मुझे प्रकृति के बीच रहना बहुत पसंद है, इसलिए मैं वहाँ के प्राकृतिक दृश्य देखने लगी।

कुछ समय बाद पिकनिक का कार्यक्रम शुरू हुआ। हमारे साथ-साथ व्याख्याता गण भी उपस्थित थे। हम सभी ने मिलकर विभिन्न खेल खेले और उनका खूब आनंद लिया। इसके बाद सभी को अलग-अलग समूहों में बाँटकर कार्य दिए गए और सभी ने खुशी-खुशी अपने-अपने कार्य पूरे किए।

व्याख्याताओं द्वारा हौजी खेल का आयोजन किया गया, जो मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने वह खेल पहले कभी न देखा था और न ही खेला था, इसलिए उसे खेलना मेरे लिए एक नया और रोचक अनुभव रहा।

इसके बाद हमें चना खाने के लिए दिया गया, जिसे खाकर मुझे अपने गाँव की याद आ गई, क्योंकि ऐसा नाश्ता गाँव में विवाह या विशेष अवसरों पर मिलता है। फिर हम नृत्य करने लगे और सभी अपने-अपने समूह के साथ खुशी-खुशी नाचे।

यह पिकनिक मेरे लिए बहुत यादगार रही, क्योंकि द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ बिताया गया यह समय हमारे जीवन का एक विशेष पल था। ऐसे क्षण जीवन में बार-बार नहीं आते। चीजें समय के साथ चली जाती हैं, लेकिन उनसे जुड़ी यादें हमेशा हमारे दिल में बनी रहती हैं।

मोनिका मिंज
प्रथम वर्ष 'ब'



हमारे महाविद्यालय द्वारा दिनांक 14/01/2026 को पिकनिक (वनभोज) का आयोजन किया गया। इस पिकनिक में महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षु एवं व्याख्याता गण शामिल हुए। हम सभी महिला प्रशिक्षु छात्रावास के पीछे स्थित कारी टोंगरी नामक स्थान पर गए, जहाँ चारों ओर घना जंगल फैला हुआ था।

वहाँ पहुँचते ही हम सभी ने खेल-कूद और मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया। वातावरण बहुत ही आनंदमय और उत्साह से भरा हुआ था। पिकनिक को सफल बनाने के लिए सभी को अलग-अलग कार्यभार सौंपे गए, जिन्हें सभी ने ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ पूरा किया।

मुझे भोजन बनाने वाले समूह में शामिल किया गया, जहाँ मुझे पानी-पनीर की सब्जी बनाने का अवसर मिला। रसोई समूह में साथियों के साथ मिलकर काम करना मुझे बहुत अच्छा लगा। सभी लोग मिल-जुलकर खुशी से अपने-अपने कार्य कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि सभी एकता और सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं।

भोजन तैयार होने से पहले व्याख्याताओं द्वारा मनोरंजन के लिए हौजी खेल का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद स्वादिष्ट भोजन परोसा गया, जिसे सभी ने एक साथ बैठकर आनंदपूर्वक ग्रहण किया।

भोजन और मनोरंजन के बाद हम सभी ने मिलकर पिकनिक का भरपूर आनंद लिया और अंत में सभी सुरक्षित रूप से अपने-अपने छात्रावास वापस लौट आए। इस प्रकार हमारा पिकनिक का अनुभव अत्यंत सुखद और यादगार रहा।

रानी तिकी
प्रथम वर्ष 'ब'

स्वादिष्ट भोजन, अच्छी संगति और उससे भी अच्छी यादें : वनभोज

खुले आसमान के नीचे, खिली धूप और ठंडे-सुहावने मौसम में हम सभी पिकनिक के लिए एक अनजानी दिशा की ओर निकल पड़े। रास्ते में एक चौराहा आया, जहाँ से आगे का मार्ग हमें पूरी तरह ज्ञात नहीं था। यह भी चर्चा थी कि उस क्षेत्र में हाथियों का आना-जाना रहता है, फिर भी उस एकांत यात्रा ने हमारे मन में उत्सुकता और रोमांच भर दिया।

कुछ देर बाद हम जंगलों से घिरे एक शांत और सुंदर स्थान पर पहुँचे। वहाँ पहुँचते ही सभी के चेहरों पर खुशी खिल उठी और आनंद के मधुर स्वर वातावरण में गूँजने लगे। उस प्राकृतिक शांति और हरियाली ने हमें गहरा सुकून दिया।

कहा जाता है—“एक साथ आना शुरुआत है, एक साथ रहना प्रगति है और साथ मिलकर काम करना सफलता है।” इस कथन को हमने उस दिन पूर्ण रूप से अनुभव किया। सभी ने मिल-जुलकर अपने-अपने कार्यों की शुरुआत की और पिकनिक के लिए स्वादिष्ट व्यंजन शीघ्र ही तैयार हो गए।

मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल खेले गए, जिनसे सभी में नया उत्साह और आनंद भर गया तथा दिनभर की थकान और बोरियत दूर हो गई। इसके बाद हमने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया और कुछ समय तक नृत्य कर इस पल को और भी रंगीन बना दिया।

इस प्रकार अच्छी संगति, स्वादिष्ट भोजन और मिल-जुलकर बिताए गए पलों ने इस वनभोज को हमारे जीवन की एक मधुर, मजेदार और यादगार स्मृति बना दिया।

निधि खलखो

प्रथम वर्ष, खण्ड ‘ब’

वनभोज का अनुभव

हमारे महाविद्यालय की ओर से दिनांक 14-01-2026 को वार्षिक वनभोज का आयोजन किया गया। हम सभी इस वनभोज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। पिकनिक स्थल पर पहुँचते ही सभी अपने-अपने कार्यों में लग गए।

कार्यक्रम के दौरान अंताक्षरी, हौजी तथा अन्य खेलों का आयोजन किया गया। हम सभी ने गीत गाकर, खेल खेलकर और नृत्य करके खूब मनोरंजन किया। सभी खेलों में छात्रों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया, तथा विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

वनभोज में हम सभी ने टीमवर्क के साथ कार्य किया। वहाँ स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी की गई थी, जिसे सभी ने मिल-जुलकर आनंदपूर्वक ग्रहण किया। मनोरंजन, नृत्य और आपसी मेल-जोल से वातावरण बहुत ही आनंदमय बन गया।

इस प्रकार मिल-जुलकर मस्ती करते हुए हमारा वार्षिक वनभोज कार्यक्रम खुशी-खुशी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नूतन टोपनो

प्रथम वर्ष ‘ब’

पिकनिक का अनुभव

कहा जाता है—“जीवन एक पिकनिक है, जहाँ हर निवाला आनंद से भरपूर होना चाहिए।” खुला आसमान, हल्की धूप, हरियाली से भरा वातावरण और इन सबके बीच हम सभी प्रशिक्षु—यही पिकनिक का असली आनंद है। पिकनिक केवल घूमना नहीं, बल्कि अच्छी संगति, मस्ती और यादों का नाम है।

मैं निशी कुजूर, प्रथम वर्ष खण्ड ‘ब’, अपने पिकनिक का अनुभव साझा कर रही हूँ। दिनांक 14/01/2026, बुधवार को हमारे महाविद्यालय की ओर से वार्षिक वनभोज का आयोजन किया गया। पिकनिक का स्थान कारी टोंगरी था, जो हमारे हॉस्टल से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसलिए हम सभी पिकनिक के लिए पैदल ही निकल पड़े।

पानी की थोड़ी समस्या होने के कारण हमें हॉस्टल से ही बाल्टी में पानी लेकर जाना पड़ा, जिससे कुछ परेशानी हुई। फिर भी रास्ते भर हमारे मन में खुशी, उत्साह और उत्सुकता बनी रही। सभी सहपाठी मस्ती करते हुए अंततः पिकनिक स्थल पर पहुँच गए।

पिकनिक का सारा सामान ट्रैक्टर से आ रहा था, इसलिए उसके पहुँचने तक हम सभी दो समूहों में बँट गए और अंताक्षरी खेलने लगे। सभी ने खूब आनंद लिया। इसके बाद हम अपने-अपने कार्यों में लग गए। आपसी सहयोग से काम बहुत जल्दी पूरा हो गया।

काम समाप्त होने के बाद हम सभी ने सामूहिक नृत्य किया, जिससे पिकनिक की मस्ती और भी बढ़ गई। इसके बाद नीरज सर, विनय सर और गाब्रिएल सर के द्वारा हौजी गेम का आयोजन किया गया। यह खेल बहुत ही रोचक था। विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए।

समय काफी हो चुका था और उस क्षेत्र में हाथियों के आने की संभावना रहती है, इसलिए समय पर भोजन किया गया ताकि हम सुरक्षित हॉस्टल लौट सकें। भोजन बहुत ही स्वादिष्ट था। भोजन के बाद वह पल आया, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार था—सामूहिक नृत्य। सच ही कहा गया है, “यदि पिकनिक में नाचना न हो, तो पिकनिक अधूरी लगती है।” अंत में हम सभी ने खूब नृत्य किया और आनंद लिया।

इस प्रकार हमारा इस वर्ष का वार्षिक वनभोज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह मेरे महाविद्यालय जीवन का पहला पिकनिक था, जो बहुत ही मस्ती भरा और यादगार रहा। यह अनुभव मेरे जीवन की सुंदर यादों में हमेशा बना रहेगा।

अंत में कहना चाहूँगी

पिकनिक तो एक बहाना है,

हँसने-गाने और मस्ती करने का ठिकाना है।

जीवन की भागदौड़ से

थोड़ा सा समय चुराने का नाम ही पिकनिक है।

निशी कुजूर

प्रथम वर्ष ‘ब’



द्वितीय वर्ष खण्ड 'अ'



द्वितीय वर्ष खण्ड 'ब'



प्रथम वर्ष खण्ड 'ब'



प्रथम वर्ष खण्ड 'अ'



प्राचार्य और स्टाफ



द्वितीय वर्ष (सत्र: 2024-26)

REPUBLIC DAY

26 जनवरी का अनुभव



भारत देश में भोर से ही चारों ओर देशभक्ति गीतों की मधुर गूंज सुनाई देने लगी थी। हमारे महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस पावन दिवस की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई, जिसमें देश की शांति, एकता और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।

ध्वजारोहण से पूर्व सभी विद्यार्थियों को अनुशासनबद्ध रूप से मैदान में एकत्र किया गया। जैसे ही तिरंगा ध्वज हवा की ऊँचाइयों में लहराया, हम सभी ने एक स्वर में राष्ट्रगान गाकर देश का सम्मान किया। उस क्षण वातावरण गर्व और देशप्रेम से भर गया।

इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मंच का संचालन हमारे व्याख्याताओं मैम संजू रंजना होरो एवं मैम सुशीला के मार्गदर्शन में किया गया। उनके प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक शब्दों ने नृत्यकारों और नाटककारों को जीवंत प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रस्तुत लघु नाटक के माध्यम से हमारे संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। यह प्रस्तुति अत्यंत शिक्षाप्रद रही और हमें एक जागरूक नागरिक बनने की सीख दी।

अंत में झारखंड की जनजातीय संस्कृति पर आधारित आदिवासी नृत्य ने पूरे महाविद्यालय को आनंद से भर दिया। मांदर और नगाड़ा की गूंज ने वातावरण को ऐसा बना दिया कि मानो हमारे कदम स्वयं ही नृत्य करने को उत्सुक हो उठे हों।

इस प्रकार गणतंत्र दिवस का यह आयोजन हमारे लिए अविस्मरणीय, प्रेरणादायक और गर्व से भर देने वाला अनुभव बन गया।

सबिना ओड़ेया
प्रथम वर्ष 'ब'



REPUBLIC DAY

गणतंत्र दिवस का अनुभव

सवरे की किरणों के संग
मौसम ने यह संदेश सुनाया—
77वाँ गणतंत्र दिवस आया,
आओ इसे मिलकर खास बनाएँ

भक्ति-भाव से भरी प्रार्थनाओं
और मधुर गीतों की ताल के साथ
हमने गणतंत्र दिवस की
शुभ शुरुआत की।

मधुर धुनों ने मन मोह लिया,
तिरंगा ऊँचे गगन में लहराया।
देशभक्ति के गीतों की गूँज ने
पूरा वातावरण महकाया।

सभी छात्रों की परेड ने
अनुशासन और एकता का परिचय दिया।
प्रेरणादायक भाषणों ने
हृदय को उद्वेधित किया।
नाटक में मौलिक अधिकारों का संदेश था,
देशभक्ति नृत्य में भारत की शान का विस्तार था।

बच्चों के देशभक्ति नृत्य ने
बचपन की यादें ताजा कर दीं।
तिरंगे के रंगों में सजा
मुस्कुराता भारत मन को भा गया।

आदिवासी नृत्य और गीतों ने
हृदय में अनोखी हलचल जगा दी।
मन तो बस यही कहता रहा—
काश, वह दृश्य फिर से देखने को मिले।

अंतिम पड़ाव पर
नारों की गूँज छाई,
नारों के पश्चात
विसर्जन की प्रक्रिया निभाई गई।

इस प्रकार गणतंत्र दिवस का यह आयोजन
हमारे लिए गर्व, उत्साह
और देशप्रेम से भरा
एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

प्रतिभा टुडू
प्रथम वर्ष 'ब'



गणतंत्र दिवस का अनुभव (26 जनवरी)

26 जनवरी को हमारे महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई। इसके बाद परेड का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने अनुशासन, एकता और देशभक्ति का उत्कृष्ट परिचय दिया।

इसके पश्चात विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा अत्यंत सुंदर और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। उनकी प्रस्तुति देखकर सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। नृत्य के बाद देशभक्ति गीत, भाषण तथा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में देशप्रेम की भावना भर गई।

इन सभी कार्यक्रमों ने हमें अपने देश के प्रति गर्व, जिम्मेदारी और कर्तव्य का एहसास कराया। यह दिन हम सभी के लिए अत्यंत यादगार और प्रेरणादायक बन गया।

सरिता कुमारी
प्रथम वर्ष 'ब'



REPUBLIC DAY



26 जनवरी का अनुभव (गणतंत्र दिवस)

सुबह की ठंडी हवाओं में तिरंगा लहराया,
कदमों की ताल पर परेड ने देशप्रेम का गीत गाया।
अनुशासन और गर्व का संदेश
हर हृदय तक पहुँचाया।

फिर नन्हे-नन्हे विद्यालयी बच्चों का नृत्य,
मासूम हँसी, निश्छल भाव—
मानो स्वर्ग उतर आया हो धरती पर।
उनके लयबद्ध कदमों में
खुशियों की उड़ान और सपनों का सम्मान झलका।

देशभक्ति गीतों ने वीरों की गाथाएँ सुनाई,
प्रशिक्षुओं के नृत्य ने जोश और उत्साह को और बढ़ाया।
बलिदान, त्याग और शौर्य का सुंदर चित्र सबके सामने
आया।

एक छोटे से नाटक ने संविधान का महत्व समझाया—
न्याय, समानता और गहरे बंधुत्व का संदेश दिया।
नागरिक होने के पवित्र अधिकारों के साथ
कर्तव्यों का भी बोध कराया।

अंत में जब आदिवासी नृत्य ने रंग जमाया,
मिट्टी की खुशबू में भारत और भी मुस्कराया।
इस तरह यह दिन बन गया यादों का सुंदर त्योहार—
26 जनवरी ने दिल में
देश के प्रति सच्चा प्यार भर दिया।

स्नेहा हेम्ब्रोम
प्रथम वर्ष 'ब'

Republic Day

As we all know, every year on **26th January**, Republic Day is celebrated across India, and rightly so. It is the day when our **Constitution came into force**, giving us our **rights, duties, and laws**. Every part of India celebrates this day with pride and patriotism.

This year, our college also organized a beautiful and meaningful celebration of Republic Day. The program began with the **unfurling of the national flag** by our **Chief Guest**, followed by **Rev. Dr. Father P. J. James**. After that, the **National Anthem** was performed by our **enthusiastic band group**. I felt extremely excited and proud because I was also a part of that band group.

The program continued with a **march past**, which reflected discipline and unity. This was followed by **beautiful dance performances** by students of **middle School**, including trainees and high school students. Everyone enjoyed the performances very much.

One of the best parts of the program was a **short but powerful act on the Constitution** presented by our trainees. This act left a deep impression on my mind and helped us understand many important messages, especially about our **Fundamental Rights and duties**.

Overall, the entire program was very well organized and successfully conducted. It would not have been possible without the guidance and support of our teachers and seniors. The celebration truly filled us with pride and love for our nation.

“Our Nation is Our Pride.”

Rishika Mishra
First Year 'B'

REPUBLIC DAY

गणतंत्र दिवस का अनुभव



गणतंत्र दिवस का अनुभव

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे विद्यालय/महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर की शुरुआत पूजा और प्रार्थना से की गई। इसके बाद तिरंगे ध्वज का ध्वजारोहण किया गया और पूरे परिसर में देशभक्ति का वातावरण बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र मिस्सा से हुई, जिसमें शिक्षकों का मार्गदर्शन और सहयोग हमें प्राप्त हुआ। उनके सहयोग से यह आयोजन हमारे लिए बहुत ही उपयोगी और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। यह दिन हमारे लिए विशेष था, क्योंकि हम सभी भविष्य में शिक्षक बनने वाले हैं और इस प्रकार के आयोजनों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

26 जनवरी के अवसर पर हमारे कॉलेज में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से एक कार्यक्रम हमारा भी था, जिसमें हमने **आदिवासी नृत्य** प्रस्तुत किया। अपनी संस्कृति को सबके सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिलना हमारे लिए गर्व की बात थी। इस प्रस्तुति के माध्यम से हमने यह संदेश देने का प्रयास किया कि जीवन में आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन अपनी संस्कृति और मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिए।

इस अवसर पर हमें हमारे **मौलिक अधिकारों** के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही मिडिल स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम भी बहुत ही सराहनीय और मनमोहक थे।

अंत में कहा जा सकता है कि यह गणतंत्र दिवस समारोह हमारे लिए एक यादगार, शिक्षाप्रद और प्रेरणादायक अनुभव रहा।

आकाश एक्का
द्वितीय वर्ष 'ब'

26 जनवरी को प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन दिन की शुरुआत ईश्वर की महिमा से की गई, जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा लगा। यह दिन मेरे हृदय में जोश और उमंग भर देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो इस दिन हमें अपने देश के लिए कुछ करने की विशेष प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर महाविद्यालय में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभी कार्यक्रम बहुत ही सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से संपन्न हुए। मुझे इस आयोजन में **साउंड सिस्टम** की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह कार्य मेरे लिए एक नई सीख और अनुभव से भरा रहा। हम सभी सुबह से ही अपने-अपने कार्यों में जुटे हुए थे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों का सहयोग सराहनीय रहा। सभी के संयुक्त प्रयासों से यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अंत में यह कहना गलत नहीं होगा कि यह गणतंत्र दिवस समारोह मेरे लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बन गया।

अनीश कुमार पासवान
द्वितीय वर्ष 'ब'

26 जनवरी का अनुभव

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 7:30 बजे भक्तिपूर्ण मिस्सा से हुई, जिसमें हमारे देश के शासकों, नेताओं तथा राष्ट्र की उन्नति और शांति के लिए प्रार्थना की गई।

इसके पश्चात महाविद्यालय परिसर में ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई और राष्ट्रगान गाया गया, जिससे वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया।

ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष विशेष रूप से **आदिवासी सांस्कृतिक नृत्य** प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य के माध्यम से हमारी आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और जीवन-शैली की सुंदर झलक देखने को मिली।

मैं स्वयं एक आदिवासी हूँ, इसलिए अपनी संस्कृति को इस मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत होते देखना मेरे लिए अत्यंत गर्व और आनंद का क्षण था। यह गणतंत्र दिवस मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

जिम्मी एक्का
द्वितीय वर्ष 'ब'

REPUBLIC DAY



हमारे महाविद्यालय के अंग्रेजी के सम्मानित व्याख्याता सिप्रियन सर का न्यूजलेटर में योगदान सदैव प्रेरणादायक रहा है। वर्ष 2026 के प्रथम अंक से उन्होंने 'भूले-बिसरे इतिहास' शीर्षक के अंतर्गत प्रत्येक माह लेखन की जिम्मेदारी संभाली है, जो अत्यंत सराहनीय पहल है। उनके लेख इतिहास के उन पन्नों को उजागर करते हैं जो समय के साथ ओझल हो गए हैं और पाठकों को ज्ञानवर्धक व चिंतनशील अनुभव प्रदान करते हैं। संपादकीय मंडल उनके इस प्रयास का हार्दिक स्वागत करता है तथा सभी पाठकों से अपेक्षा करता है कि वे इन लेखों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनसे बौद्धिक लाभ प्राप्त करें।

‘भूले बिसरे, इतिहास’

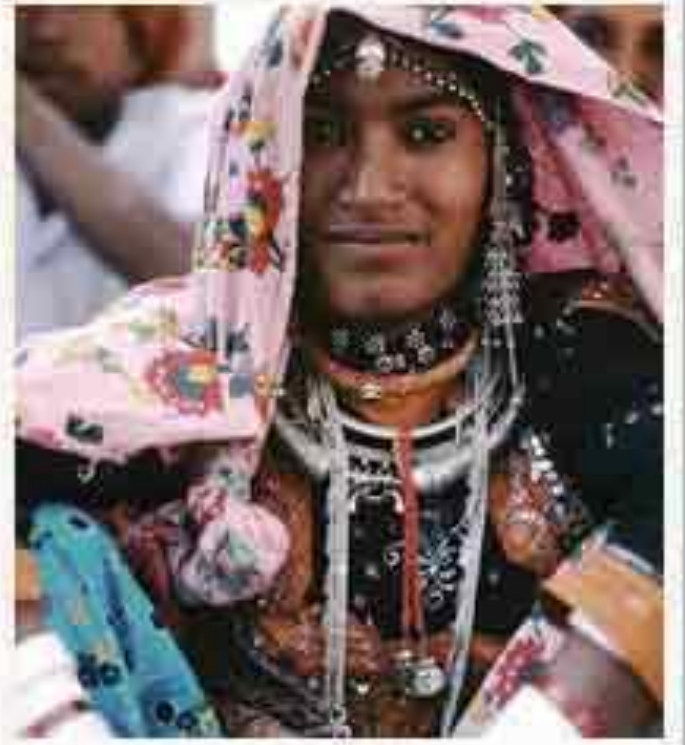
इतिहास का अर्थ है "आइति+हास"। ये संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है "ऐसा ही हुआ" या घटी हुई घटनाओं का विवरण।" बहुधा हम सोचते हैं कि जो बीत गई सो बात गई। अर्थात् पुरानी बातों को क्यों याद करना। सही अर्थ में देखा जाय तो पुरानी बातों का या इतिहास का मानव जीवन में गहरा प्रभाव है। यह बतलाता है कि हम कौन हैं। यह तार्किक दृष्टिकोण प्रदान करता है। वर्तमान को समझने एवं भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में मदद करता है।

उपरोक्त कारणों की वजह से हमारे देश की हर सरकार इतिहास की पुस्तकों के पीछे पड़ी रहती है। यही कारण है कि बहुत सारे इतिहासकार "ऐसा हुआ के बजाय "ऐसा ही होना चाहिए" पर जोर देते हैं। इसी सोच की वजह से इतिहासकार कुछ घटनाओं के बारे में जानबूझ कर लिखते नहीं या जानने का प्रयास नहीं करते।

भारत के अधिकतर इतिहासकार उच्च वर्ग के रहे हैं जिन्होंने आदिवासियों एवं पिछड़े-गरीब वर्ग से सम्बंधित घटनाओं को सामाजिक पूर्वाग्रह या अज्ञानतावश अपने लेखन में कोई जगह नहीं दी। अतः "भूले बिसरे इतिहास" इन्हीं घटनाओं पर प्रकाश डालने का एक प्रयास होगा।

‘मानगढ़ गोली कांड’

इस घटना को कुछ इतिहासकार "दूसरा जालियाँ वाला बाग" कहते हैं। हालांकि यह जालियाँ वाला बाग घटना से पहले की घटना है। मानगढ़ राजस्थान, गुजरात एवं मध्यप्रदेश की सीमाओं पर स्थित है। यह भील बहुल आदिवासी प्रदेश है। ये आदिवासी अंग्रेज एवं स्थानीय राजाओं के शोषण से त्रस्त थे। इनसे अत्याधिक लगान लिया जाता था। बेगारी प्रथा चरम पर थी। स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार एवं पुरुषों के साथ हिंसा आम बात थी। जंगल-जमीन पर से आदिवासियों के अधिकार छीने जा रहे थे। छोटी-छोटी गलतियों के लिए कड़ी सजा दी जाती थी। इस तरह आदिवासियों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक रूप से कमजोर करने लगे थे। साथ ही आदिवासियों के संगठित एवं जागरूक होने के किसी भी प्रयास को "विद्रोह" का नाम दिया जाता एवं दबाने का भरपूर प्रयास किया जाता था।



Bhils Tribe

ऐसी परिस्थिति में गुरु गोविंदगिरी एक भील नेता का उदय होता है जो भील आदिवासियों के जीवन में सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक चेतना जगाने का प्रयास करने लगा। उदाहरण के लिए, शराब, भांग, ताड़ी, जुआ, चोरी, झगड़ा- फसाद आदि बुरी आदतों को त्यागना। स्वच्छ एवं सादा जीवन को अपनाना। समानता एवं भाईचारे को बढ़ाना। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना आदि।

गुरु गोविंदगिरी अपनी जागरूकता सभाएं मांगड़ पहाड़ी पर किया करता था। 17 नवंबर 1913 को भी इसी तरह की सभा के लिए हजारों आदिवासी स्त्री-पुरुष मांगड़ पहाड़ी पर एकत्रित हुए थे। वे सभी निहत्थे थे। अंग्रेजी सरकार एवं स्थानीय राजाओं ने इसे अपने लिए खतरा माना एवं इनके सैनिकों ने पहाड़ी को घेर लिया। आदिवासियों को वहाँ से चले जाने का हुक्म दिया। आदिवासियों ने इसे अपने अधिकार का हनन बता कर हटने से इनकार कर दिया। इस पर सैनिकों ने निहत्थे आदिवासियों पर अंधाधुन गोलियाँ चलाई। इस गोली कांड में 1500-2000 आदिवासी स्त्री-पुरुष एवं बच्चे मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।

इस भयंकर घटना को इतिहास ने कोई खास जगह नहीं दी। यह घटना साबित करता है कि यदि सत्ता मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील न हो एवं हिंसा की जगह संवाद को प्राथमिकता न दे तो इस तरह की विनाशकारी घटनाएं घटती रहेंगी।

PRIMARY TEACHERS' EDUCATION COLLEGE

Gurwa, PO Sitagarha, Dist. Hazaribag 825 303, Jharkhand, INDIA

(A Christian Minority Institution under the Hazaribag Jesuits Education Society: Estd: 1958)

Recognized by ERC, NCTE vide order No. BR-E/E- 2/96/2799(12) dt 11.02.1997.

Mob. 8987903798 (O) 9835358073 (P) Email: info@ptecgurwa.org Website: www.ptecgurwa.org

